प्रार्थना निवेदन प्रपत्र

स्तुति—परमेश्वर की स्तुति करना कि **वह कौन है,** उसके गुण, उसका नाम या उसका चरित्र की स्तुति करना।

उसके गुण:

परिभाषा:

पवित्रशास्त्र का (के) वचन:

अंगीकार—चुपचाप अपने पापों को परमेश्वर के सामने अंगीकार करना जो क्षमा कर देता है।
यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।
(1 यूहन्ना 1:9 बी एस आई हिन्दी बाइबल)

घन्यवाद देना—उसने जो किया है उसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।
हर बात में धन्यवाद करो; क्योंकि तुम्हारे लिये मसीह यीशु में परमेश्वर की यही इच्छा है। (1 थिस्सलुनीकिया 5:18 बी एस आई हिन्दी बाइबल)

मध्यस्थता करना—दूसरों की ओर से प्रार्थना में परमेश्वर के पास आना। **दो या तीन लोगों के समूह को निर्मित करें।**

हमारे अपने बच्चे—प्रत्येक मां एक बच्चे को चुनती है।

पवित्रशास्त्र का वचन:
1ली मां की बच्चा:
2री मां की बच्चा:
3री मां की बच्चा:

विशेष प्रार्थना निवेदन
1ली मां की बच्चा:
2री मां की बच्चा:
3री मां की बच्चा:

शिक्षक/कर्मचारी—**पवित्रशास्त्र का (के) वचन** (किसी एक को चुने):

कि तू_____ आँखें खोले कि वे अंधकार से ज्योति की ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें; कि पापों की क्षमा और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं, मीरास पाएँ। प्रेरितों के काम 26:18 से

विद्यालय सम्बन्धी—विद्यालय परिसर में उद्धार और आत्मिक जागृति के लिए (यदि समय है तो अन्य विषय को लें, अर्थात् सुरक्षा इत्यादि जैसे विषय)

प्रार्थना में रत् माताओं सम्बन्धी—प्रत्येक विद्यालय के लिए प्रार्थना करें; सेवकाई को अनावश्यक बातों से और शुद्ध बने रहने के लिए सुरक्षा प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें

याद रखें, समूह में प्रार्थना क्या होती है, समूह में बने रहिए !

Moms in Prayer INTERNATIONAL™
माएं प्रार्थना में अंतरराष्ट्रीयं